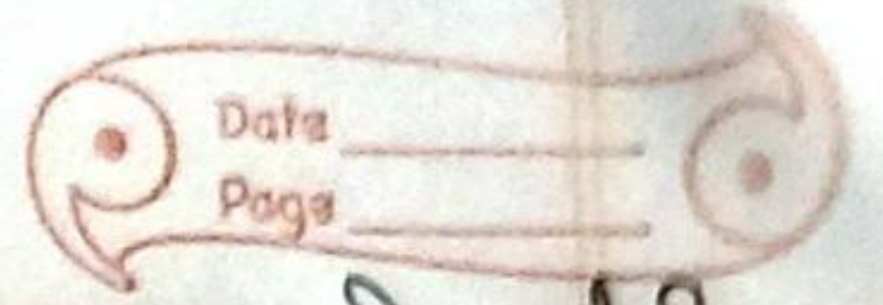


Name- Sonakshi Swain
class-VI Sec-C



२. माँसा बुढ़ी हो चुकि थी और अपने खेत का देखभाल नहीं चाती थी। वह बिछवा और अकली थी इसलिए वह खेत का देखभाल नहीं कर पाती थी।

३. जुम्मान और उसकी पत्नी के व्यवहार में माँसा के प्रति कड़वाहट आने लगी थी। बात-बात पर उनका अपमान होने लगा।

२. जुम्मान से कहा, "अब तुम्हारे साथ मेरा निर्वाह नहीं होगा। तुम कहीं स्वयंसेवा किया करो जहाँ अपना अलगा प्रबंध कर लेंगे।"

४. जुम्मान ने मर्दाने की बात सुनकर कहा। "उन खेतों से इतनी कमाई नहीं होती कि मैं तुम्हें अलग से अपना हिस्सा दे सकूँ।"

५. पंचायत ने यह निर्णय लिया कि जुम्मान अपनी मर्दाने की हर महीने खर्च देगा ताकि उनकी जिदंगी ठीक रहे। और उन्हें किसी की मदद न चाहिए।

६. पंचायत ने न्याय की मदद लिया। मित्रा-शत्रु मित्रा-शत्रुता का झूठ नहीं किया। सच है पंच के मुख से परमाेश्वर बोलता है।

७. जुम्मान की खुशी हुई कि अलग चर्खरी अनाक के पक्ष में ही निर्णय देगा।

लेकिन मोरिया की छठिरी कहानी

सुनकर पंचों और अलगू ने मोरिया बके

धर पत्र में निर्णय लिया इसलिये वह

अलगू की अपना शत्रु मान्न लगा।

1. समझू अलगू चौधरी से एक बेल

खरिदा था। जिसका मूल्य एक महिन

के बाद देना की बात हुआ था। परन्तु

समझू साहू ~~बेल~~ खरीदने से इन्कार

करने के कारण अलगू ने पंचायत बिगाड़ी।

2. अंत में बुद्धम ने दोनों पक्षों की बातों

को सुनने के बाद यह कहा की "जिस

समय बेल खरीदा गया, उसी की रीति रही

था। यदि उसी समय उसका मूल्य चुका

दिशा जाता तो सम्पूर्ण खाद्य उर्वर कर

लेन के अधिकारी न होते। सम्पूर्ण बैंक

का पूरा मूलमूल्य चुका दिया जाता

तो सम्पूर्ण खाद्य उर्वर कर लेन के अधिकारी

न होते। सम्पूर्ण बैंक का पूरा मूल्य दे

है।

२० क) मिरा और लिना आज आबि पाठशाला

नहीं गई।

ख) माँहन बहुत उच्छा लड़का है।

ग) वह पाठशाला गया, किसकी नहीं बताया।

घ) माँहन बहुत उच्छा लड़का है

ङ) माँहन बहुत कुरा लड़का है।

ड) अध्यापक और अध्यापिका छात्रों के

जीवन में महत्वपूर्ण होते हैं।

च) पंक्त 'कमल' - पंकेन्द्र, जलज

छ) 'स्योबन के आभूषण बनाने वाला'

सुन्दर
स्वयंकार कहलाता है।